DON BOSCO SCHOOL, KOKAR, RANCHI

Session 2020-21

Class – VIII

Subject – Hindi 1 (व्याकरण संबोध) Subject Teacher – Karuna Toppo

पाठ – 1

भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण Language, Dialect, Script and Grammar

अभ्यास

1. किन्ही दो राज्यों के नाम लिखिए जिनकी भाषा हिन्दी है –
   उ. – क) राजस्थान ख) बिहार

2. गुरुमुखी और रोमन लिपियों में लिखी जानेवाली एक–एक भाषा का नाम लिखिए –
   उ.– क) पंजाबी ख) फ्रेंच

3. वैदिक भाषा से हिन्दी तक की यात्रा में मुख्य पड़ाव कौन से हैं ?
   उ.–वैदिक भाषा संस्कृत से वर्तमान हिन्दी तक भाषा की विकास यात्रा में चार मुख्य पड़ाव आए–वैदिक भाषा के पश्चात् लौकिक संस्कृत भाषा का एक रूप बना। जो सामान्य लोगों द्वारा बोलचाल में प्रयुक्त संस्कृत हुआ करती थी। संस्कृत के पश्चात् उपपालि भाषा का विकास हुआ। पालि से प्राकृत, प्राकृत अपभ्रिंश और अपभ्रिंश से हिन्दी भाषा का विकास हुआ।

4. राजस्थानी हिन्दी की दो बोलियों नाम लिखिए –
   उ. – क) जयपुरी ख) मालवी

5. दक्षिण भारत में प्रयुक्त होनेवाली किन्हीं दो भाषाओं के नाम लिखिए –
   उ. – क) तमिल ख) कन्नड़

6. व्याकरण का भाषा के साथ क्या संबंध है ?
   उ.–व्याकरण एक ऐसा शास्त्र है, जो भाषा के वर्णों शब्दों और वाक्यों का शुद्ध ज्ञान एवं प्रयोग सिखाता है। व्याकरण किसी भी भाषा का शुद्धतम रूप प्रस्तुत करने का प्रयास करता है।

7. पश्चिमी हिंदी की किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए –
   उ. – क) ब्रज ख) बुंदेली

8. देवनागरी लिपि का विकास किस प्राचीन लिपि से हुआ ?
   उ. – देवनागरी लिपि का विकास ब्राह्मी प्राचीन लिपि से हुआ।

9. तुलसीदास द्वारा रचित विख्यात महाकाव्य का नाम बताते हुए उसकी भाषा भी लिखिए –
   उ. – तुलसीदास द्वारा रचित विख्यात महाकाव्य का नाम रामचरितमानस है। उसकी भाषा अवधी है।

10. भारतीय आर्य परिवार की सबसे प्राचीन भाषा का नाम लिखिए –
    उ.–भारतीय आर्य परिवार की सबसे प्राचीन भाषा का नाम–प्राचीन भारतीय आर्य भाषा मध्यकालीन आर्य भाषा तथा आधुनिक भारतीय आर्य भाषा।

पाठ – 2

वर्ण – विचार (Phonology/Orthography)

अभ्यास

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –
   i. ग, झ, द, ब को स्पर्श व्यंजन कहते हैं।

ii. य, र, ल, व को अंतस्थ व्यंजन कहते हैं।
iii. 'क्ष' अक्षर क् और ष से मिलकर बनता है।
iv. 'ज्ञ' में ज् और ञ का योग है।
v. क्ष, त्र, ज्ञ और श्र को संयुक्त अक्षर कहते हैं।
vi. श्, व् को ऊष्म व्यंजन कहते हैं।
vii. उर्दू की ध्वनियाँ हैं – क़, ख़, ग़, ज़ और फ़।

2. निम्नलिखित शब्दों में गलत 'र' चिह्न लगे हुए है।, उन्हें ठीक करके पुनः लिखिए –

पूण्र	– पूर्ण	पूरति	– पूर्ति
पूर्व	– पूर्व	परयोग	– प्रयोग
परेरित	– प्रेरित	बारह्मण	– ब्राह्मण
भ्रतरिहरि	– भर्तृहरि	भ्राया	– भार्या
म्रदुल	– मृदुल	शम्र	– शर्म
गर्ह	– गृह	व्रणन	– वर्णन
वष्रा	– वर्षा	शूर्द	– शूद्र
शौग्र	– शौर्य	न्रतक	– नर्तक
स्रप	– सर्प	दरशन	– दर्शन
टरेड	– ट्रेड	पर्थम	– प्रथम
दुरयोधन	– दुर्योधन		

3. नुकता लगाइए –

जबरन	– ज़बरन	जंजीर	– जंज़ीर
दफा	– दफ़ा	फिदा	– फ़िदा
बरफ	– बरफ़	जहाज	– ज़हाज
जिक्र	– ज़िक्र	नफरत	– नफ़रत
कफन	– कफ़न	फकीर	– फ़कीर
नमाज	– नमाज़	जमीन	– ज़मीन

4. निम्नलिखित शब्दों को पढ़कर नुकते के कारण आए अर्थ – भेद को लिखिए –

दफा	– कितनी बार	दफ़ा	– कानून की धारा
सजा	– दंड	सज़ा	– कलराव, तुकांत वाक्य
राज	– शासन, राज्य	राज़	– रहस्य, भेद
जरा	– वृद्धावस्था, बुढ़ापा	ज़रा	– थोड़ा, कम
फन	– सांप का फन	फ़न	– हुनर

5. वर्ण विच्छेद कीजिए –

पर्यावरण	– प् + अ् + र् + य् + आ + व् + अ + र + अ + ण् + अ।
प्रतिध्वनि	– प् + र् + त् + इ + ध् + व् + अ + न + इ।
दर्शनीय	– द् + अ + र् + श् + अ + न् + ई + य् + अ।
व्याख्यान	– व् + य् + आ + ख् + य् + आ + न् + अ।
सेवाग्राम	– स् + ए + व् + अ + ग् + र् + आ + म् + अ।
कलाभिज्ञ	– क् + अ + ल् + आ + भ् + इ + ज् + ञ् + अ।
तटस्थता	– त् + अ + ट् + अ + स + थ + अ + त् + आ।
साप्ताहिक	– स् + आ + प् + त् + आ + ह् + इ + क् + अ।
मार्मिक	– म् + बा + र् + म् + इ + क् + अ।

विद्यार्थी – व् + इ + द् + य् + आ + र् + थ् + इ।
आह्वान – आ + ह् + व् + आ + न् + अ।
श्रीमान – श् + र् + ई + म् + आ + न् + अ।

6. उचित स्थान पर अनुस्वार –अनुनासिक लगाकर वर्तनी शुद्ध कीजिए –

दिनाक – दिनांक
आदोलन – आंदोलन
तागा – ताँगा
चिड़िया – चिड़ियाँ
मडल – मंडल
पगु – पंगु
जाएगे – जाएँगे
अधेरा – अंधेरा
जतुओं – जंतुओं
आगन – आंगन
अतिम – अंतिम
सबध – संबंध
प्रारभ – प्रारंभ
मुद्राए – मुद्राएँ
सकल्प – संकल्प
सस्कार – संस्कार
गाधी – गाँधी
करेगे – करेंगे
उगली – उँगली
बूद – बूँद
चांदनी – चाँदनी
मगवाई – मँगवाई
स्वतत्र – स्वतंत्र
साप – साँप

पाठ – 3
संधि (Joining words)

अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यों में से संधियुक्त शब्दों को छाँटकर रेखांकित कीजिए –

i. श्री गोपाल चतुर्वेदी ने किशोरावस्था से ही कविताएँ लिखना शुरू कर दिया था।
ii. संविधान में नागरिकों के कर्तव्यों को रेखांकित किया गया है।
iii. मेरे पिताजी पराधीन भारत के निवासी थे।
iv. विराट ने पुस्तकालय से लाई हुई पुस्तक में से दुर्लभ चित्र फाड़ दिए।
v. हैदराबाद के नवाब के पास सर्वोत्तम रत्न थे।
vi. विद्यानिवास मिश्र जी ने अनेक विचारोत्तेजक निबंध लिखे हैं।
vii. दधीचि एक परोपकारी ब्रह्मर्षि थे। उन्होंने अपनी हड्डियाँ दान देकर वृत्तासुर का वध करने में मदद की।
viii. मॉडर्न स्कूल में पूर्वोत्तर के शिक्षार्थी भी पढ़ रहे हैं।
ix. आइंस्टीन की दृष्टि भविष्योन्मुखी थी।
x. हमारी परंपरा महिमामयी, उत्तराधिकार विपुल और संस्कार उज्जवल हैं।

2. संधि कीजिए –

गज + इंद्र = गजेंद्र
भाव + अर्थ = भावार्थ
अभि + सेक = अभिषेक
सीमा + अंत = सीमांत
राम + अवतार = रामावतार
यशः + दा = यशोदा
पुष्प + अंजलि = पुष्पांजलि
जगत् + ईश = जगदीश
मत + ऐक्य = मतैक्य
सदा + एव = सदैव
यथा + इष्ट = यथेष्ट
वक् + मय = वाङ्मय
पर + उपकार = परोपकार
परि + छेद = परिच्छेद
सम् + हार = समाहार
चर + अचर = चरचर
योग + अभ्यास = योगभ्यास
यदि + अपि = यद्यपि ?
उत् + ज्वल = उज्जवल
अर्ध +अंगिनी = अर्धंगिनी
मुनि + इंद्र = मुनींद्र
यह + ही = यही
धर्म + इंद्र = धर्मेंद्र
राजा + इंद्र = राजेंद्र
नारी + इश्वर = नारेश्वर
उमा + ईश = उमेश
निः + चल = निश्चल
महा + ऋषि = महर्षि
सागर + उर्मि = सागरोर्मि

3. संधि–विच्छेद कीजिए और संधि का भेद भी लिखिए –

मनोविनोद = मनः + विनोद – विसर्ग संधि
नवोत्पल = नव + उत्पल – गुण संधि
वेदांत = वेद + अंत – दीर्घ संधि
रत्नाकार = रत्न + आकार – दीर्घ संधि
शरच्चंद्र = शरत् + चंद्र – व्यंजन संधि
वीरोचित = वीर + उचित – दीर्घ संधि
परिमाण = परि + मान – दीर्घ संधि
राजर्षि = राज + ऋषि – गुण संधि
मरणासन्न = मरण + आसन्न – दीर्घ संधि
उत्तरोत्तर = उत्तर + उत्तर – गुण संधि
नीरोग = निः + रोग – विसर्ग संधि
तदुपरांत = तदु + उपरांत – दीर्घ संधि
संकल्प = सम् + कल्प – व्यंजन संधि

लोकोक्ति = लोक + उक्ति – दीर्ध संधि
संशय = सम् + शय – व्यंजन संधि
विच्छेद = वि + छेद – व्यंजन संधि
संबोधन = सम् + बोधन – व्यंजन संधि
उद्घाटन = उत् + घाटन – व्यंजन संधि
तद्नुसार = तद् + अनुसार – दीर्घ संधि
एकैक = एक + एक – वृद्धि संधि
अधखिला = आधा – खिला – दीर्घ संधि
प्रत्युपकार = प्रति + उपकार – यण संधि
कभी = कब + ही – विसर्ग संधि
वध्वागमन = वधू + आगमन – यण संधि
अन्वेषण = अनु + एषण – यण संधि
मात्राज्ञा = मातृ + आज्ञा – दीर्घ संधि
देवर्षि = देव + ऋषि – गुण संधि
परि = प + अ – स्वर संधि
लोकोपचार = लोक + उपचार – दीर्ध संधि
विवाहोत्सव = विवाह + उत्सव – दीर्घ संधि
सुरेंद्र = सुर +इंद्र – गुण संधि
कारावास = कारा + आवास – दीर्घ संधि

4. निम्नलिखित वाक्यों में कुछ शब्दों को संधि–विच्छेद रूप में लिखा गया है। उनकी संधि कर वाक्य को दोबारा लिखिए –

i. दीक्षा + अंत समारोह में अवश्य जाना चाहिए।
उ. – दीक्षांत सतारोह में अवश्य जाना चाहिए।

ii. दादा जी प्रतिदिन भगवत + गीता का पाठ करते है।
उ. – दादा जी प्रतिदिन भगवद्गीता का पाठ करते हैं।

iii. भोलाराम निः + धन है।
उ. – भोलाराम निर्धन है।

iv. परम + ईश्वर सबकी रक्षा करें।
उ. परमेश्वर सबकी रक्षा करें।

v. रावण को लंका + ईश भी कहते हैं।
उ. – रावण को लंकेश भी कहते हैं।

vi. भारत महा + उत्सवों का देश है।
उ. – भारत महोत्सव का देश है।

vii. यह दृश्य कितना मनः + हर है।
उ. – यह दृश्य कितना मनोहर है।

viii. मंच पर रवि की प्रस्तुति अति + अंत प्रभावशाली थी।
उ. – मंच पर रवि की प्रस्तुति अत्यंत प्रभावशाली र्थी

ix. दीपिका नै + इका की भूमिका में थी।
उ. – दीपिका नरयिका की भूमिका में थी।

x. अज्ञेय ज्यादतर लेखन कार्य में तत् + लीन रहते थे।
उ. – अज्ञेय ज्यादतर लेखन कार्य में तद्लीन रहते थे।

Assignments

1. इन दोनों अनुच्छेद–लेखन कार्य करें।
   1) दुख में सुमिरन सब करैं
   2) वन – संरक्षण

पत्र – लेखन
औपचारिक – पत्र

2. शिक्षण–शुल्क माफ़ करने के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना–पत्र लिखें। (पृष्ठ 239)
3. बीमारी के कारण परीक्षा न दे पाने पर प्रधानाचार्य को चिकित्सा – अवकाश के लिए पत्र लिखिए। (पृष्ठ 239.240)

अनौपचारिक पत्र

4. छोटे भाई को अध्ययनशील होने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए। (पृष्ठ 245)

❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊